Raj Express (Indore), 17th September 2025, Page-11

प्रौद्योगिकी की वास्तविक भूमिका सीमांत किसानों को सशक्त बनाने में निहित है

आईआईटी इंदौर में प्रौद्योगिकी और कृषि के बीच संबंध स्थापित करने के लिए एग्रीकनेक्ट कार्यशाला का किया गया उद्घाटन

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में प्रौद्योगिकी और कृषि के बीच संबंध स्थापित करने के लिए एग्रीकनेक्ट कार्यशाला की शुरुआत मंगलवार से हुई। आईआईटी इंदौर, आईसीएआर-एनएसआरआई इंदौर, आईसीएआर-सीआईएई भोपाल और सी-डैक पुणे की ओर से आयोजित व इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, मध्य प्रदेश की ओर से वित्त पोषित, दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम का उद्देश्य टेक्नोलॉजी डेवलपर्स, कृषि हितधारकों और किसानों को एक एकीकृत मंच पर लाना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव, के. के. सिंह बतौर अतिथि शामिल हुए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी की वास्तविक भूमिका सीमांत

किसानों, जो भारतीय कृषि के आधार हैं, को सशक्त बनाने में निहित है। उन्होंने एग्रीहब को देशभर में नवाचार के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनाने में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

चुनौती केवल समाधान तैयार करने की नहीं: रवि रंजन सिंह (निदेशक, डिजिटल एग्रीकल्चर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय), लक्ष्मी पनत (वैज्ञानिक 'जी', सी-डैक पुणे) और डॉ. कुंवर हरेंद्र सिंह (निदेशक, आईसीएआर-एनएसआरआई इंदौर) सहित विशिष्ट अतिथियों ने डिजिटल एग्रीकल्चर, ज्ञान में अंतर और समावेशी विकास के मार्गों पर बहुमूल्य अनुभव साझा किए। आईआईटी इंदौर के निदेशक, प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा, एग्रीकनेक्ट, जमीनी स्तर पर वास्तव में महत्वपूर्ण तकनीकी नवाचारों को विकसित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

चुनौती केवल समाधान तैयार करने की नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि वे खेत के प्रत्येक किसान तक पहुंचें। एग्रीहब जैसे सहयोगी प्लेटफार्मों के माध्यम से, हम किसानों को सुलभ, मापनीय और सतत् नवाचारों से सशक्त बनाने की आकांक्षा रखते हैं जो भारत के कृषि पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करते हैं। एग्रीहब की प्रमुख अन्वेषक प्रोफेसर अरुणा तिवारी ने कहा, अगले दो दिनों में, प्रतिभागी विशेषज्ञ वार्ता, नवाचार प्रदर्शन, उद्योग के दृष्टिकोण और हितधारक राउंडटेबल बैठकों में भाग लेंगे, जिसमें जीनोमिक्स और फेनोमिक्स-आधारित फसल सुधार और छवि विश्लेषण और एआई-आधारित रोग और कीट निदान जैसे क्षेत्र शामिल होंगे।

कार्यशाला के प्रमुख उद्देश्य

कार्यशाला किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), गैर-सरकारी संगठनों, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को समाधान विकसित करने के लिए एक सहयोगात्मक मंच प्रदान करती है।

- एफपीओ और एनजीओ के साथ एग्रीहब सहयोग को मजबूत करना।
- किसानों की क्षमता निर्माण, उद्यमिता के अवसर और मजबूत मार्केट संबंध।
- किसानों को सशक्त बनाने डिजिटल तकनीकों, एआई/एमएल, ड्रोन और बिग डेटा एनालिटिक्स का उपयोग।
- तकनीक की पहुंच जमीनी स्तर तक सुनिश्चित करने के लिए समावेशी मॉडल तैयार करना।